जननी जन्म भूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी

मामनुस्मर युद्ध्य च — जयन्ती प्रकाशन लक्ष्मणगढ़

शेखावाटी सन्मार्ग

भारत सरकार पंजीसन नं. : 72322/91

सतीनां वै सतांचैव दातॄणां विदुषां तथा।
आकरं गुण शीलानां लक्ष्मणदुर्ग मनोहरम्।।

नमोस्तु रामाय सलक्ष्मणाय देव्यै च तस्यै जनकात्मजायै।
नमोस्तु रुद्रेन्द्र यमानिलेभ्यो नमोस्तु चन्द्रार्कमरुद्गणेभ्यः।।

Mob: 9828665353
Web: www.srrividya.com

पाक्षिक/वर्ष-31/अङ्क - 27 | लक्ष्मणगढ़ 01/16 जनवरी 2022 (संयुक्तांक) | मूल्य (विशेषाङ्क सहित) 100

क्षत्रिय युवक संघ के हीरक जयंती समारोह में मंत्री खाचरियावास का संबोधन वायरल

प्रताप सिंह गलती करे या गजेन्द्र सिंह.. इन्हें चुनौती दो... यही क्षत्रिय का कामः प्रताप सिंह श्री क्षत्रिय युवक संघ के हीरक जयंती समारोह का संबोधन...

जयपुर. गुलाबी शहर में बुधवार को आयोजित श्री क्षत्रिय युवक संघ के हीरक जयंती समारोह में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास का संबोधन सोशल वीडिया पर वायरल हो रहा है। दरअसल, अपने संबोधन में खाचरियावास ने कहा कि क्षत्रिय वो है, जो आन-बान और स्वाभिमान के साथ बलिदान की ताकत रखता हो, दलित-पिछड़े और कमजोर को बचाने के लिये अपनी जान दे सकता हो। उन्होंने कहा कि क्षत्रिय वो है, जो धर्म और जाति में भेदभाव नहीं करे और सबके साथ समान व्यवहार करे।

खाचरियावास ने कहा कि जो क्षात्र धर्म का पालन करता है, उसका व्यवहार भगवान जैसा होना चाहिए। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री ने कहा कि जब भी तिरंगे लोकतंत्र और संविधान के सम्मान की बात आएगी तो हर क्षत्रिय मिट जाएगा, लेकिन देश और धर्म पर कभी कोई संकट नहीं आने देगा। उन्होंने मंच से सभी जाति, धर्म के सम्मान के साथ यह भी कहा कि तराजू में तोलकर वोट देना चाहिए। आंख बंद करके गड्ढे में गिरना बिल्कुल गलत है। यदि प्रतापसिंह गलती करे तो प्रतापसिंह को चुनौती दो, गजेन्द्र सिंह गलती करे तो उसे चुनौती दो, यही क्षत्रिय का काम है। उन्होंने मंच से यह भी कहा कि राज्य की गहलोत सरकार ने सीडब्ल्यूएस से जमीन और 8 लाख की गारंटी खत्म कर दी तो केन्द्र सरकार को भी 8 लाख और जमीन की गारंटी खत्म कर केन्द्र में युवाओं के लिये नौकरी की व्यवस्था करनी चाहिए। भवानी निकेतन में हुए समारोह के बाद खाचरियावास के साथ कई युवाओं ने सेल्फी भी खिंचवाई।

गांव और जमीन हमारी पहचान है प्रताप सिंह ने कहा कि क्षत्रिय युवक संघ की जब स्थापना हुई, तब एक ही संकल्प था कि हम राम के जैसा व्यवहार करें, हम कृष्ण के जैसा व्यवहार करें। उन्होंने कहा कि हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई पूरा हिंदुस्तान एक मंच पर है। केसरिया हिंदुस्तान लड़ने या किसी पार्टी के लिए नहीं, हिंदुस्तान की संस्कृति को बचाने के लिए केसरिया बाना बना है। यह जब गढ़ों और किलों पर लगता था, तब लोग अपनी गर्दन कटवाने के लिए निकलते थे। उन्होंने कहा कि क्षत्रिय युवक संघ जाति, धर्म और पार्टी से उपर उठकर भारत और मानव धर्म की बात करता है।

सूरज पश्चिम से बूंदी के बाबा बजरंगदास

अपनी पत्नी के लिए पहाड़ काटकर सड़क बनाने वाले बिहार के दशरथ मांझी के किस्से तो सबने सुने हैं। आज मिलते राजस्थान की बूंदी के बाबा बजरंगदास से। इन्होंने मांडपुर-गेंडोली की बजरंग घाटी में लगातार पहाड़ को थोड़ा थोड़ा काटकर रास्ता बना दिया ऐसा रास्ता तो पगडंगी से शुरू होकर 20 सालों की अथक मेहतन से आज 15 फीट चौड़ी सड़क बन गया है। 12 से ज्यादा पंचायतों के 50 से ज्यादा गांवों के लोगों के आपस * का सड़क संपर्क सहज हो गया है। इस 300 मीटर संपर्क सड़क के कारण 30 किलोमीटर की दूरी केवल 3 किलोमीटर रह गई है। बाबा और उनके शिष्यों की मेहनत के साथ अपनी सहूलियत देखकर गांव वाले भी सहयोग में जुट गए और एक बहुत मुश्किल लगने वाला काम होता चला गया। आज ये रास्ता 20 साल की तपस्या का परिणाम है।

50 ज्यादा गांवों के लोगों के लिए इस 300 मीटर लंबे रास्ते ने 30 किमी की दूरी मिटा दी है, गांवों को आपस में जोड़ा है। पहाड़ी के बीच यह रास्ता बन जाने से तलवास, पीपल्या, जैतपुर, गेंडोली, करवर, झालीजी का बराना, नोताणा, मोडसा, माणी, बालापुर, जरखोदा, ब्राह्मण गांव, केथूदा सहित पहाड़ की दोनों तरफ की 34 पंचायतों के साथ नैनवां-केपाटन तहसील के लोगों को राहत मिल रही है। जयपुर-कोटा, बारां झांसी तक रास्ता शॉर्टकट हो चुका है। तपस्या का फल

14 गांव मिलकर इस रास्ते को 20 फीट चौड़ा • सीसी रोड बनवा रहे हैं

• 2018 में गुरु पूर्णिमा से 14 पंचायतों के लोग इस रास्ते पर सीसी रोड बना रहे हैं। नैनवां तहसील की 14 और केपाटन पंचायत समिति की 20 पंचायतों के लोगों को सुविधा हो मिलेगी।

• इस सड़क का फायदा केवल वाहन वालों को ही नहीं मिला, बल्कि जंगल में पशु चराने वाले में पालकों को भी मिला है। वे कम दूरी में ज्यादा जंगल घूमते हैं।

• 20 साल पहले घाटी के पथरीले रास्ते में गिरकर एक घोड़ा मर गया था। तब बजरंदासजी ने रास्ता बनाना शुरू किया। एक जोड़ी हाथ की मेहनत लगातार चलती रही और कई जोड़ी हाथ का साथ मिलता गया।

जिलेभर के अभिभाषक संघ ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

जनता के हित में शेखावाटी को संभाग बनाने की मांग "क्षेत्रफल में भी भरतपुर संभाग से बड़ा है शेखावाटी

जयपुर जाने से मिल सकेगी मुक्ति

सीकर अभिभाषक संघ की ओर से शेखावाटी के तीनों जिलों का अलग से संभाग गठित करने की मांग को लेकर गुरुवार को प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री के नाम कलक्टर को ज्ञापन दिया गया। संघ के जिलाध्यक्ष रणधीर सिंह काजला ने बताया कि शेखावाटी का अलग संभाग बनने से स्थानीय लोगों को भी बेहतर सुविधाएं और संसाधन मिलेंगे। उन्होंने कहा कि संभाग बनने से जयपुर जाने के बजाय आमजन के काम वही हो सकेंगे। क्षेत्रफल की दृष्टि से प्रस्तावित संभाग का कुल क्षेत्रफल 27529.43 वर्ग किलोमीटर और भरतपुर संभाग का कुल क्षेत्रफल 18128 वर्ग किलोमीटर है। क्षेत्रफल की दृष्टि से भी शेखावाटी का प्रस्तावित संभाग 9401.43 वर्ग किलोमीटर बड़ा है। प्रस्तावित संभाग के तीनों जिलों की कुल जनसंख्या 68.53 लाख व भरतपुर संभाग की कुल जनसंख्या 65.52 लाख है। इस प्रकार से प्रस्तावित संभाग की जनसंख्या भरतपुर संभाग से 3.01 लाख अधिक है। इधर, प्रशासनिक संरचना की दृष्टि से प्रस्तावित संभाग के जिलों में 24 उपखंड, 25 तहसील, 20 से अधिक विधानसभा क्षेत्र, 65 थाने और 21 औद्योगिक क्षेत्र स्थापित है। गौरतलब है कि शेखावाटी को संभाग बनाने की मांग को पहले भी कई बार प्रदर्शन हो चुके है। हर बार चुनाव में भी इस मुद्दे पर राजनैतिक दलों की ओर से वादा भी किया जाता है। इधर, सचिव हरीश मिश्रा ने बताया कि शिक्षा के मामले में सीकर कोटा सहित अन्य जिलों से काफी आगे है। ऐसे में यहां दूसरे जिलों के विद्यार्थी भी यहां काफी संख्या में आ रहे है। उन्होंने कहा कि संभाग बनने से यहां की शिक्षण संस्थाओं के साथ आमजन को भी काफी फायदा मिलेगा।

सीएम को भेजा ज्ञापन

लक्ष्मणगढ़. शेखावाटी को अलग संभाग बनाने की मांग को लेकर अभिभाषक संघ ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। संघ के अध्यक्ष हरफूल कुमावत के नेतृत्व में यहां उपखण्ड अधिकारी को ज्ञापन दिया गया।

फतेहपुर. अभिभाषक संघ ने सीकर चूरू व झुंझुनूं जिलों को सम्मिलित कर शेखावाटी संभाग बनाने की मांग के लिए अभिभाषक संघ अध्यक्ष सुरेंद्र पाल सिंह कस्वा के नेतृत्व में मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को ज्ञापन दिया।

संघ के कोषाध्यक्ष राजेंद्र शर्मा ने बताया कि ज्ञापन में मुख्यमंत्री से शेखावाटी संभाग बनाने की मांग की गई। इस अवसर पर संघ महासचिव कपिल दहिया, उपाध्यक्ष मोहम्मद फेज, अधिवक्ता भीमसिंह महला, महिपाल मूंड, भोजेन्द्र सिंह आदि थे।

सहनुसर में विधायक का सम्मान

रामगढ़ शेखावाटी | रामदेवजी एवं गुसाई महाराज प्रेमधाम गुदड़वास में संस्थान अध्यक्ष जगदीशप्रसाद अजाड़ीवाल की अध्यक्षता में कार्यकर्ताओं की बैठक हुई। संस्था सचिव भोलाराम सैनी ने बताया कि बैठक में सर्वसम्मति से कार्यकर्ताओं ने क्षेत्र में विकास कार्य करवाने पर 26 दिसंबर को सुबह 11 बजे ग्राम पंचायत सहनुसर के गुदड़वास में ग्रामीणों द्वारा विधायक हाकम अली खान का अभिनन्दन किया गया।

सम्पादकीय

“ सन्मार्ग एव सर्वत्र पूज्यतेनाऽपथ: क्वचित् ”

आत्म विस्मृत न हों ।

यह शरीर आपका नहीं है। आपका है तो केवल आपका नहीं है। इस पर केवल आपका ही हक नहीं है। आपके पिता का है, मां का है, आपके दादा-दादी का है, ताऊ का है ताई का है, काका का है और काकी का है- भाई -भाभी का है बहिन-जीजा का है, आपकी पत्नी का है। पत्नी है तो पति का है। बुआ का है- फूफाजी का है पुत्रों का पुत्रियों का है, पोत्र-पौत्रियों का है। उनके संबंधियों का है। नाना नानी का है मावसी मवसोजी जी का है।

मामा मामी का है। सास ससुर का है। साला-साली-सलहाज का है- जितने भी ससुराल में संबंध है- सबका है मित्रों का है- मित्रों के परिवारों का है। परिवार से संबंध रखने वालों का है। आपका जिनसे भी है संबंध सबका है- कोई भी संबंध है- व्यवहार है सबका है। आपके गुरुजनों का है- उनके परिवार से उनका है। आपके शिष्यों का- उनके परिवार जनों का है। आपका जिन संस्थाओं -सभा-सोसाइटी से संबंध है- जिनके आप सदस्य हैं, पदाधिकारी है, सबका है आपके मोहल्ले वालों का है, वार्ड का है। गांव नगर का है तहसील जिले का है प्रांत का है देश का है देशवासियों का है जिनसे भी आपका सुख दुख का किसी भी भारतीय से संबंध है उन सब का है इस प्रकार समस्त विश्व और विश्व वासियों का है आपकी गाय किसी भी बात थी आपके पशु पक्षियों का है किसी का भी कम इन्हीं से कम किन्हीं से ज्यादा साधारण या विशेष सबका हक है आप पर आपके शरीर पर केवल आपका हक अधिकार केवल आपका नहीं है परम प्रभु परमात्मा का तो है ही जिससे यह जीवन दिया है इसके सदुपयोग इसे सुंदर स्वस्थ बलिष्ट बनाए रखने इसे सुशिक्षित सबके लिए उपयोगी सबके लिए हितकर बनाने और बने बनाए रखने का दायित्व आपका है इसे सदा सर्वदा सुरक्षित उपयोगी बनाए रखने का दायित्व कर्तव्य आपका है।

एकात्म मानववाद यत।
अर्थात स्वयं अपना उद्धार कीजिए कभी अपने को अवसादित मत कीजिए कभी किसी भी हालत में निराश मत होइए किसी भी स्थिति में इसे विषाद ग्रस्त अवसाद ग्रस्त मैं होने दे क्योंकि यह आपका है और इसे सदा आनंद में रखें क्योंकि यह आपका है क्योंकि आपका दायित्व है कर्तव्य है परम कर्तव्य है वस्तुतः तो आप शरीर मात्र ही नहीं है आप सबके हैं सब आपके हैं आप विश्वात्मा में विश्वात्मा के हैं विश्वात्मा आपका है।
चेतन अमल सहज सुख राशि ईश्वर अंश जीव अविनाशी।

इसे कभी मत बोलिए क्योंकि जिओ जब आप यह भूलते हैं जात भूल जाते हैं तभी आप यह भूल जाते हैं किसी को क्या कहना है किसको क्या कहना चाहिए यह भूल जाते हैं तभी यह भी भूल जाते हैं आप अपने स्वास्थ्य को भी भूल जाते हैं क्या करना चाहिए क्या नहीं करना चाहिए यह भी भूल जाते हैं यह आत्मा विस्मरण की विपदा है विपदा का मूल है।
जो आनंद सिंधु सुख राशि सीकर तेतरी लोकेश उपाशी।
आप आनंद सिंधु आनंद स्वरूप परम प्रभु के अंश है इसलिए सदा सर्वदा आनंद मगन रहना आपका स्वभाव है इससे इतर रहना आपकी प्रकृति नहीं है विकृति है आपके मुख मंडल पर सदा मुस्कान रहनी चाहिए ।

प्रसन्नता यान रता भी केवलम तथा ने मामले वनवास दुखता है मुकाम पूज्य श्री रघुनंदन असम में सदा स्तुति शाम मंजुल मंगल प्रदा।
सुख दुख में निर्विकार मैं राज्याभिषेक से हर्षोल हर्षित ने वनवास के आदेश से दुख का उद्योग मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम के मुख्य मंडल के मुख कमल की सहज श्री सदा मंजुल मंगल दायिनी हो कवि का यह मनोभाव यह व्यक्त करता है ने चिंतामन मुख से किसी ने सिद्धि पाई है मैं वेदना गठित होने से किसी ने स्वर्ग या उप वर्ग इसलिए सर्वदा हंसते रहे मुस्कुराते रहे आप अकेले नहीं है विश्वात्मा सदा आपके साथ हैं सब आपके आप सबके हैं सबके सुख आपके सुख हैं आपके सुख सबके हैं तभी संसार सुखमय है संसार दुख में नहीं है संसार दुख का सागर नहीं है संसार आनंद सागर है आप इस आनंद सागर की एक बूंद है सर बातम्या आनंद की बूंदों से ही यह आनंद सागर बना है इसलिए नव वर्ष पर सदा सर्वदा प्रसन्न रहिए आनंद मग्न रहिए आनंद सागर स्वरूप परमात्मा के परमानंद में मग्न रहिए।
आनंद दाता हिमानी भूतानि जयंती आनंद देने जा तानी जीवंती आनंदे संप्रेषित आनंदी सभी सचिव इन सती शिवा मस्तु।

शशिकान्त जोशी
सम्पादक

मांग • कामधेनु सेना के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को ज्ञापन दिया चारागाह भूमि पर पट्टे देने के फैसले को निरस्त कराने की मांग, प्रदर्शन किया

चारागाह भूमि पर पट्टे देने के सरकार के आदेश को निरस्त करने की मांग को लेकर कामधेनु सेना ने मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार विपुल चौधरी को ज्ञापन दिया। कामधेनु सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष दीपेंद्र सिंह राठौड़, प्रदेश महासचिव चंद्र प्रकाश शास्त्री खाचरियावास, जिलाध्यक्ष भरत सांखला के नेतृत्व में तहसीलदार को चारागाह भूमि पर पट्टे देने के आदेश को निरस्त करवाने की मांग की। ज्ञापन में लिखा है कि गोवर भूमि पर जो अतिक्रमी पिछले 30 सालों से कब्जा किए बैठे हैं। उन्हें सरकार पट्टे जारी करने का काम कर रही है। यह प्रदेश के सभी गोवंश का अपमान है। प्रदेश में गोचर भूमि ही रहेगी तो गोवंश सड़कों भटकने को मजबूर होने प्रदेश का गोवंश सुरक्षित नहीं रहेगा तो गोसैनिक गोवंश को बचाने के लिए राज्य सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतरेंगे। कामधेनु सेना ने अतिक्रमियों पर कार्रवाई कर गोचर भूमि खाली करने का आदेश जारी किया है। इस अवसर पर दांतारामगढ़ गोशाला अध्यक्ष शंकरलाल मोहनपुरिया, गोसेवक खेताराम, विमल नागोरा, राकेश सोनी, लालचंद सैनी, पिंटू पौद्दार आदि गो-सेवक उपस्थित थे।

फतेहपुर | राजस्थान गोसेवा समिति ने चारागाह में पट्टे जारी करने के राज्य कैबिनेट के आदेश के खिलाफ आन्दोलन की चेतावनी दी है। 29 दिसम्बर को राजस्थान के प्रत्येक जिले में जिला कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन देने के साथ प्रदर्शन किया जाएगा। प्रदेशाध्यक्ष महंत दिनेश गिरि ने बताया कि सरकार का ये फैसला गोघाती है साथ ही भूमाफियाओं को फायदा पहुंचाने वाला है। गोचर भूमि पर गाय का सरंक्षण संवर्धन होता है, गोचर नहीं बचेगी तो गोवंश कहा जाएगा। इसके लिए राजस्थान गोसेवा समिति द्वारा मुख्यमंत्री को पत्र भी लिखा गया है। राजस्थान सरकार जल्द इस गोविरोधी फैसले को वापिस नही लेती है तो सड़क से सचिवालय और कोर्ट से विधानसभा तक राजस्थान गोसेवा समिति लड़ाई लड़ेगी।

चैनपुरा आबादी क्षेत्र में 11000 केवी बिजली लाइन लगाने का विरोध

खाचरियावास | चैनपुरा ग्राम पंचायत के आबादी क्षेत्र से 11000 केवी की सर्विस लाइन डालने का ग्रामीणों में विरोध किया। ग्रामवासियों ने सहायक अभियंता खाचरियावास को ज्ञापन भी दिया। ग्रामवासी जितेंद्र पारीक का कहना है कि मेहसाणा भटिंडा गैस पाइपलाइन के चैनपुरा स्थित सेंटर पर 11000 केवी का विद्युत कनेक्शन दिया जा रहा है जिसकी सर्विस लाइन का सर्वे कृषि भूमि में से किया गया था। परंतु राजनीतिक हस्तक्षेप के चलते सर्विस लाइन को चैनपुरा गांव के आबादी क्षेत्र से होकर सर्विस लाइन डाली जा रही है जो गलत है। इस तत्काल रोककर आबादी क्षेत्र से बाहर से लगवाई जाए। इस अवसर पर जितेंद्र पारीक, राजूराम बुरड़क, जीवनराम वर्मा, पोखर राम वर्मा, सुनील पारीक, भैरूराम वर्मा, देवीलाल वर्मा, मालीराम वर्मा, जगदीश प्रसाद वर्मा, सरपंच प्रतिनिधि गोपाल लाल आदि उपस्थित थे।

न कोई मांग, न मुद्दा, न विरोध फिर भी जयपुर में ऐसी महासभा क्षत्रियों की

जयपुर | श्रीक्षत्रिय युवक संघ के 75 वर्ष पूरे होने पर बुधवार को भवानी निकेतन परिसर में संघ की महासभा हुई। संघ के बैनर तले पहली बार सर्वसमाज का अनोखा संगम दिखाई दिया। क्षत्रिय महाकुंभ की खास बात यह रही कि इसे पूरी तरह से गैर-राजनीतिक रखा गया। समाजों में पॉजिटिव कार्य करने वालों को सपोर्ट और एकता का संदेश देने के लिए यह आयोजन हुआ। इसमें न कोई सियासी संदेश दिया गया, न कोई मांग की गई, न किसी का विरोध। रैली के जरिए सकारात्मकता का संदेश देकर क्षत्रिय समाज ने एक सियासी ताकत जरूर दिखाई जो सभ्य समाज को एक राह दिखा सकती है। सर्वसमाज के लोग शामिल, दिखा अनूठा अनुशासन संघ के हजारों स्वयंसेवकों ने सेना की तरह बैठक, सफाई, जल आदि की व्यवस्था की गई। हजारों स्वयंसेवक केसरिया बाना पहने पंक्तिबंद्ध बैठे थे। कार्यक्रम में सभी समाजों के प्रतिनिधि पहुंचे थे।

महासभा पर हेलिकॉप्टर से पुष्प वर्षा की गई।बीजेपी-कांग्रेस से दो-दो नेताओं को बोलने का मौका रैली में भाजपा की ओर से केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्रसिंह शेखावत व उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ और कांग्रेस की तरफ से खाद्य मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास व धर्मेंद्र राठौड़ को मुख्य रूप से बोलने का मौका मिला।

चूरू होसी चौगनी, यो हांसी धींग... कहावत प्रस्तुत करती चूरू की प्रगति व उत्थान का रोड मैप

प्रो. कमलसिंह कोठारी

चूरू बीकानेर रियासत का एक प्रमुख ठिकाना था। बीकानेर महाराजा सूरत सिंह और रु ठाकुर शिवजी सिंह के बाँच अनुबन ने युद्ध का रूप ले लिया। 1814 ईस्वी में लंबे घरे और संघर्ष के बाद पर बीकानेर का अधिकार हो पाया। शिवजी सिंह का बलिदान हुआ, पर अपना अस्तित्व बचाने के लिए चांदी के गोले चलाकर इतिहास में अमर हो गए। इस घटना पर कई और प्रचलित है। कवियों की वाणी भी मुखर हुई इसी क्रम में किसी कवि के श्री से निकली ये पंक्तियां चूरू होसी चीनी धोरा होस भाग दोखोड़ा से उड़ ज्यासी, ज्यू सावण की भीग चूरू की विकास पात्र की मानों ये भविष्यवाणी बन गई 200 से भी अधिक वर्षों के बाद भी ऐसा लगता है कि या कविता चूरू की प्रगति और उत्थान का रोडमैप प्रस्तुत है। चूरू के सर्वांगीण विकास की कल्पना आवासी की मनोकामना में रूपांतरित होते हुए कुछ तो दृश्य-पटल पर आकार है तो कुछ भविष्य के गर्भ में पल रही है। इस अवधि में कितने उतार-चढ़ाय, मान और अंतराल आए. परंतु चूरू नित नई प्रगति की तस्वीर उकेरता रहा। एक जागोरी केंद्र में रियासत के अधीनस्थ शहर से होते हुए चूक स्वतंत्र भारत का जिला मुख्यालय बना। जागीरी काल में किला, परकोटा, मंदिर-देवरा, पाठशालाओं, व्यापार और वाणिज्य में प्रगति हुई। रियासतकाल में आधुनिक स्कूल, अस्पताल आदि की स्थापना हुई। रियासतकाल में स्वामी गोपालदास जी के नेतृत्व में सर्वहितकारिणी सभा के माध्यम से स्त्री शिक्षा, दलित शिक्षा के सफल प्रकल्प स्थापित हुए। स्वतंत्रता की अलख जगाई गई तो इंद्रमणि पार्क, धर्मस्तूप के निर्माण से नगर सौदर्यीकरण हुआ बीड़ निर्माण, गोचर भूमि, जोहड निर्माण कूप निर्माण द्वारा पर्यावरण एवं सुविधा के अनेक कार्य हुए।

दो शताब्दियों में चूरू ने लिखी विकास की कथा, परकोटे में बसा शहर आज बाहर पांच किलोमीटर तक बढ़ गया 1945 में बना लोहिया कॉलेज, पंजाब-हरियाणा से भी स्टूडेंट्स आए

20वीं सदी में चूरू ने शिक्षा, चिकित्सा, रेल-सड़क, उद्योग सहित विभिन्न क्षेत्रों में विकास के नए आयाम स्थापित किए। चूरू रेल का महत्वपूर्ण जंक्शन बना। लोहिया कॉलेज बना, जिसमें राजस्थान के समीपवर्ती जिलों के साथ हरियाणा व पंजाब के हजारों विद्यार्थी लाभान्वित हुए। कलेक्ट्रेट और सैकड़ों सरकारी कार्यालय खुले। शैक्षणिक, चिकित्सकीय क्षेत्र में, निजी व सरकारी संस्थाओं का निरंतर विस्तार हुआ। चुनौतियां का सामना कर

विकास की ओर बढ़ता गया चूरू: ऐसा नहीं कि चुनौतियां नहीं आई। परकोटे से बाहर चारों ओर दूर-दूर तक शहर पांव पसारने लगा तो परकोटे के बाहर के जलस्रोत जौहरी सागर कब डाकीड़ा जोहड़ा बन गया, पता ही नहीं चला। कुएं -बावड़ी परिदृश्य से गायब होने लगे, तो इंदिरा नहर से पानी आने लगा। नेचर पार्क, चूरू चौपटी, खेल स्टेडियम में अंतरराष्ट्रीय सिंथेटिक ट्रैक, हॉस्पिटल के बाद मेडिकल कॉलेज चूरू के सौदर्यीकरण की नई बानगी है तो पर्यावरण चेतना का प्रतिबिंब भी। टाउनहाल, विभिन्न अतिथि गृहों, आधुनिकतम होटलों का निर्माण चूरू को पुरानी धर्मशालाओं के युग से बाहर ले आया। रेल मीटर से ब्रॉडगेज में तब्दील होकर विद्युतीकरण से भी जुड़ गया। सामान्य कॉलेजों के साथ नर्सिंग, आईटीआई, मेडिकल कॉलेज स्थापित हो चुके हैं। अनेक स्कूल-कॉलेज जगह-जगह स्थापित हैं। उद्योग धंधों के लिए रीको में पहल हुई, पर आज भी किसी प्रमुख उद्योग की प्रतीक्षा है। बैंकिंग व्यवसाय का बैंकों के तीव गति से विकास किया है।

भागवत कथा में गोसेवा के लिए 21 लाख रुपए दिए, सरपंच परिवार ने दान की एक बीघा भूमि

उपखंड के कंदलाऊ में चल रही भागवत कथा शुक्रवार को संपन्न हो गई। कमल महाराज ने कथा का वाचन किया। शुक्रवार को श्रद्धालुओं ने करीब 21 लाख रुपए की राशि गोसेवा के लिए समर्पित की। आयोजन में शामिल बाटड़ानाऊ सरपंच बाली देवी व उनके पति नत्थूसिंह बाटड़ ने अपने पिता दीपाराम बाटड़ एवं पन्नी देवी बाटड़ की स्मृति में एक बीघा "जमीन गोसेवा के लिए दान की। आयोजन समिति की ओर से नत्थूसिंह बाटड़े, सरपंच बाली देवी, सरपंच के पुत्र मनोज बाटड़, वनोद, सुबोध, पुत्रवधु व जिला परिषद सदस्य गणपति बाटड़, सरिता, सुशीला, नाथी देवी, मूली एवं तारा आदि बाटड़ परिवार के सदस्यों को सम्मानित किया गया। इससे पूर्व कथा वाचक कमल महाराज ने गोमाता की महिमा का वर्णन किया।

नंदकिशोर पारीक
संस्थापक

शिक्षा क्षेत्र में ईस्ट वेस्ट स्कूल

विद्यालय द्वारा समय-समय पर सह शैक्षणिक गति विधियों का संचालन कर विद्यार्थी में अभिव्यक्ति का •विकास करते हुए उसे समाज के अनेक मंचो पर अपने विचार, भाव एवम कौशल को प्रकट करने हेतु तैयार करना का ही प्रमुख ध्येय है। संस्था सामाजिक सरोकारों में अपनी सहभागिता निर्वहन करते हुए लक्ष्मणगह धरा को काशी के रूप में देखने का सपना संजोए अपने मार्ग पर अनवरत प्रयासरत है !

ईस्ट वेस्ट पब्लिक स्कूल, रेलवे स्टेशन

लक्ष्मणगढ़

संस्थापक संकल्पशील कर्मठ व्यक्तित्व के धनी श्री नन्दकिशोर पारीक ने करीब दो दशक पहले इसकी स्थापना की | अंग्रेजी माध्यम की यह पब्लिक स्कूल आज नगर की श्रेष्ठ पब्लिक स्कूलों में अग्रणी है | अपने लगनशील शिक्षक – शिक्षिकाओं एवं पदाधिकारियों के कारण यह स्कूल दिनों दिन प्रगति पथ पर अग्रसर है | अपनी एक्स्ट्रा करिक्युलर एक्टिविटीज के कारण – जो निरन्तर चलती रहती है – यह अपने छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिये जानी जाती है | यहाँ बालकों की कुछ गतिविधियों के चित्र पाठकों को जानकारी देने के लिये अंकित है |

सम्पादक,प्रकाशक,मुद्रकः शशिकान्तजोशी, जयन्ती प्रकाशन लक्ष्मणगढ़ (सीकर) राजस्थानकृष्णाप्रिन्टर्स के लिये सागरकम्प्यूटर, जयपुर द्वारा मुद्रित,प्रबन्ध सम्पादक- डॉ महेन्द्रआचार्य, समाचार सम्पादक- भानुप्रकाश जोशी